

# MB-106(H)

March-2025

B.Com., Sem.-V

CC-303 : Business Law

Time : 2:30 Hours]

[Max. Marks : 70

(Hindi Version)

1. “वयस्क” को परिभाषित कीजिए। भारतीय संविदा अधिनियम के अनुसार अवयस्क से संबंधित प्रावधानों को बताइए। 14

अथवा

1. (A) वैध संविदा के आवश्यक तत्वों की जानकारी दीजिए। (कोई भी 7) 7
1. (B) शून्य अनुबंध तथा शून्य संविदा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 7
2. प्रतिफल को परिभाषित कीजिए। “प्रतिफल रहित संविदा शून्य होती है।” इस नियम के अपवादों की चर्चा कीजिए। 14

अथवा

2. (A) “प्रत्याशित संविदा भंग” पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 7
2. (B) “अशक्यता द्वारा उन्मुक्ति” सिद्धांत की चर्चा कीजिए। 7
3. “उत्पाद शुल्क” के प्रकार बताइए। 14

अथवा

3. (A) “आधारी सीमा-शुल्क तथा अतिरिक्त सीमा-शुल्क” पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 7
3. (B) परिभाषा लिखिए : “माल” तथा “शुल्क योग्य माल” 7
4. “विक्रय” को परिभाषित कीजिए। “विक्रय” तथा “विक्रय अनुबंध” के मध्य कोई सात अंतर लिखिए। 14

अथवा

4. (A) “माल के प्रकार” पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 7
4. (B) “खरीददार सावधान” का सिद्धांत बताइए। 7

5. निम्न विधान सत्य हैं या असत्य यह बताइए : (कोई सात)

14

- (1) प्रस्ताव का संप्रेषण (संवहन) आवश्यक है ।
  - (2) स्वीकृति संपूर्ण एवं सशर्त होनी चाहिए ।
  - (3) मात्र मौन कपट नहीं है ।
  - (4) नयी संविदा हेतु प्रतिफल आवश्यक है ।
  - (5) बीमा की संविदा एक सशर्त संविदा है ।
  - (6) “प्रतिफल रहित संविदा शून्य होती है” इस नियम के कोई अपवाद नहीं हैं ।
  - (7) उत्पाद शुल्क उत्पादित माल पर लगाया जाता है, माल के विक्रय पर नहीं ।
  - (8) सीमा-शुल्क की वर्तमान दर 20% है ।
  - (9) स्थावर परिसंपत्ति माल नहीं है इसलिए इस पर उत्पाद शुल्क नहीं लगता है ।
  - (10) अनुयोज्य दावे तथा धन माल हैं ।
  - (11) असंदत्त विक्रेता के पास क्रेता एवं माल दोनों के विरुद्ध अधिकार होता है ।
  - (12) विक्रय तथा विक्रय अनुबंध के मध्य कोई अंतर नहीं होता है ।
-